Government of India
Ministry of Drinking Water & Sanitation

Subject: Monthly summary for the month of November, 2018 in respect of Ministry of Drinking Water and Sanitation

Regional Workshop on Quality & Sustainability (ODF Q & S)

As part of our continued emphasis on quality and sustainability in the ODF campaign in the Swachh Bharat Mission-Gramin, the 3rd Regional Workshop on ODF Q & S was organized on 14th November, 2018 at Guhawati, Assam for North Eastern States including Sikkim. The Workshop was attended by the State Secretaries/Mission Directors/DMs/CEOs ZP. A total of 50 participants attended the Workshop. The issues of geo-tagging, verification of ODF villages, conversion of dysfunctional toilets, IEC expenditure, Left out from Baseline (LOB), media coverage, Swachhagrahis, shared toilets, retrofitting etc. were discussed in details.

A similar workshop was organized on 15th November 2018 for the Eastern States in Kolkata, West Bengal. This workshop was attended by State Secretaries/ Mission Directors/DMs/CEOs ZP of the Eastern States (Bihar, Odisha, West Bengal, Jharkhand). A total of 35 participants attended the workshop.

The last of such regional workshops was organized on 30 November 2018 for the Northern States at Nainital, Uttarakhand. This workshop was attended by State Secretaries/ Mission Directors/DMs/CEOs ZP of the Northern states. A total of 40 participants attended the workshop.

Review the progress of NRDWP with North-Eastern States

A Review meeting of all North-Eastern States including Sikkim was held on 14-15 November 2018 in Guwahati, Assam to discuss the progress of physical and financial status of NRDWP and training of IMIS.

National Dissemination Workshop on Swajal at Nainital

The Ministry organised a two day National Dissemination Workshop on Swajal at Nainital, attended by participants from different aspirational districts on 30 November and 1 December 2018. A training module on Swajal on six topics along with a short film on Swajal was released during the Workshop. The workshop also served as a platform to those resource persons who were part of the original Swajaldhara programme implemented in Uttarakhand; and various States, to share their experiences. The programme was held at Uttarakhand Academy of Administration, Nainital.

World Bank assisted RWSSP-LIS Programme

9th Steering Committee Meeting was held under the chairmanship of the Secretary on 20 November, 2018, attended by Principal Secretaries/ Secretaries from LIS States namely Assam, Bihar, Jharkhand and Uttar Pradesh. The committee deliberated on the various aspects of the World Bank assisted RWSSP-LIS programme which was started in 2014 with the estimated outlay of Rs. 6,147 Cr. to be spent over 6 years. Based on the information provided by the states, it was assessed by the committee that there is a likelihood of absorption of Rs. 4,000 Cr. by 4 states under RWSSP-LIS during the project period. The

remaining Rs. 2,000 Cr. would be set aside for the following purposes: (i) to expand the project area to all the 117 Aspirational Districts. Only Swajal SVS Model schemes will be permissible. Funds will be available in challenge mode. An amount of Rs. 1000 Cr. may be set aside for this purpose. (ii) Disaster Management (preparedness, training and capacity building) for which Rs. 100 Cr. may be kept. (iii) SLWM funds would be provided to the States in Challenge mode for taking up SLWM activities for which Rs. 900 Cr. may be set aside. The funding pattern, procedural guidelines and implementation framework for these activities would remain as that of the RWSSP-LIS.

World Toilet Day 2018

World Toilet Day was celebrated by the Ministry and states on 19 November 2018. District Magistrates across the country mobilized their districts to make sanitation a priority and performed shramdaan at various locations. The Secretary visited Firozabad district in Uttar Pradesh along with Shri Amitabh Kant, CEO NITI Aayog and observed the Toilet Parliament in session. The day concluded with the Secretary and CEO NITI Aayog emptying a toilet pit.

Zila Swachh Bharat Prerak Convention at Puri, Odisha

The ZSBP Convention was held at Puri district of Odisha on 23- 24 November, 2018, attended by over 150 ZSBP from across the country. The two day event comprised of experience sharing and learning, and theme based presentations in the form of group work. The group work was done on 10 pertinent areas of Swachh Bharat Mission- behavior change, toilet technology, solid and liquid waste management, GOBAR-Dhan, MIS, Sustaining usage, faecal sludge management, capacity building, ODF-S and ODF Plus strategy, and Swachhagrahis. The ZSBPs enthusiastically engaged in the group work and based on their knowledge and field experiences, presented possible solutions. Operating from the field, they were able to draw attention to the issues on the ground. A highlight of the event was a sand-art competition under the mentorship of world famous sand artist, Mr. Sudarshan Pattnaik. In the concluding session, group presentations were made and the award was given to the best group.

Review of the progress of Swachh Bharat Mission through video conferences

i. Video Conference with ACS/Principal Secretaries/Secretaries and Mission Directors In-charge of Rural Sanitation in all States/UTs organized on 19th November, 2018 at Conference Room, MDWS, 4th Floor Pt. D.D. Antyodaya Bhawan, New Delhi to discuss cleansing database of Swachchagrahis, incentive etc.
ii. Video Conference with DMs/DCs of bottom 50 districts of Bihar, Odisha, Telangana, West Bengal organized on 29th November, 2018 at Conference Room, MDWS, 4th Floor Pt. D.D. Antyodaya Bhawan, New Delhi to review performance of these districts in implementation of SBM(G).

****

भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता सरकार

विषय: पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय से संबंधित नवम्बर, **2018** माह के लिए मासिक सारांश।

<u>गुणवत्ता और स्थायित्व (ओडीएफ एण्ड एस) पर क्षेत्रीय कार्यशाला</u>

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण में ओडीएफ अभियान में गुणवत्ता और स्थायित्व पर निरंतर बल देने के भाग के रूप में सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए गुवाहटी, असम में 14 नवम्बर, 2018 को ओडीएफ क्यू एण्ड एस पर तीसरी क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में राज्य सचिवों/मिशन निदेशकों/डीएम/सीईओ जेडपी ने भाग लिया। कुछ 50 भागीदार कार्यशाला में उपस्थित थे। जीयो टैगिंग (भू-अंकन), ओडीएफ गांवों का सत्यापन, निष्क्रिय शौचालयों का परिवर्तन, आईईसी व्यय, आधारभूत सर्वेक्षण में छूटे लोग (एलओबी), मीडिया कवरेज, स्वच्छाग्रही, साझा शौचालय, रेट्रोफिटिंग आदि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कोलकाता, पश्चिम बंगाल में भी उसी प्रकार की एक कार्यशाला 15 नवम्बर, 2018 को आयोजित की गई। इस कार्यशाला में पूर्वोत्तर राज्यों (बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड) के राज्य सचिव/मिशन निदेशक/डीएम/सीईओ जेडपी ने भाग लिया। कुल 35 भागीदारों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

उत्तरी राज्यों के लिए नैनीताल, उत्तराखंड में पिछली ऐसी कार्यशाला 30 नवम्बर, 2018 को आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में उत्तरी राज्यों के राज्य सचिवों/मिशन निदेशकों/डीएम/सीईओ ज़ेडपी ने भाग लिया। कुल 40 भागीदारों ने कार्यशाला में भाग लिया।

<u>पूर्वोत्तर राज्यों के साथ एनआरडीडब्ल्यूपी की प्रगति की समीक्षा</u>

एनआरडीडब्ल्यूपी की वास्तविक और वित्तीय स्थिति की प्रगति और आईएमआईएस के प्रशिक्षण पर चर्चा करने हेतु गुवाहटी, असम में 14-15 नवम्बर, 2018 को सिक्किम सहित सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक समीक्षा बैठक की गई।

<u>नैनीताल में स्वजल पर राष्ट्रीय प्रसार कार्यशाला</u>

मंत्रालय ने नैनीताल में 30 नवम्बर और 1 दिसम्बर को स्वजल पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें विभिन्न आकांक्षी जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान स्वजल पर एक लघु फिल्म के साथ-साथ स्वजल पर छह विषयों पर एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया गया। इस कार्यशाला ने उत्तराखण्ड में कार्यान्वित मूल स्वजल धारा कार्यक्रम का हिस्सा बने संसाधन व्यक्तियों को, और विभिन्न राज्यों को अपना अनुभव साझा करने के लिए मंच प्रदान किया। यह कार्यक्रम उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में आयोजित किया गया।

विश्व बैंक सहायता प्राप्त आरडब्ल्यूएसएसपी-एलआईएस कार्यक्रम

सचिव की अध्यक्षता में 20 नवम्बर, 2018 को 9वीं संचालन समिति बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एलआईएस राज्यों अर्थात् असम, बिहार, झारखण्ड और उत्तरप्रदेश के प्रधान सचिवों/सचिवों ने भाग लिया। इस समिति ने विश्व बैंक सहायता प्राप्त आरडब्ल्यूएसएसपी-एलआईएस कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जो 6 वर्षों की अवधि में व्यय किए जाने वाले 6,147 करोड़ रूपए के अनुमानित परिव्यय से वर्ष 2014 में आरंभ किया गया था। राज्यों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर समिति ने यह मूल्यांकन किया कि परियोजना अवधि के दौरान आरडब्ल्यूएसएसपी-एलआईएस के अंतर्गत 4 राज्यों द्वारा 4,000 करोड़ रूपए के अवशोषण की संभावना है। शेष 2,000 करोड़ रूपए को निम्नलिखित प्रयोजनार्थ अलग रखा जाएगा: (i) परियोजना क्षेत्र की सभी 117 आकांक्षी जिलों तक विस्तार करना। केवल स्वजल एसवीएस मॉडल स्कीमें अनुमत्य होंगी। निधियां चुनौती मोड में उपलब्ध होंगी। इस प्रयोजन के लिए 1000 करोड़ रूपए की राशि को अलग रखा जा सकता है। (ii) आपदा प्रबंधन (तैयारी, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण) जिसके लिए 100 करोड़ रूपए रखे जा सकते हैं। (iii) एसएलडब्ल्यूएम कार्यकलाप आरंभ करने के लिए राज्यों को चुनौती मोड में एसएलडब्ल्यूएम निधियां प्रदान की जाएंगी जिसके लिए 900 करोड़ रूपए अलग रखे जा सकते हैं। इन कार्यकलापों के लिए निधियन पैटर्न, प्रक्रियागत दिशा-निर्देश और कार्यान्वयन ढांचा आरडब्ल्यूएसएसपी-एलआईएस के समान ही रहेगा।

विश्व शौचालय दिवस 2018

मंत्रालय और राज्यों द्वारा 19 नवम्बर, 2018 को विश्व शौचालय दिवस मनाया गया। देश भर के जिला मजिस्ट्रेटों ने स्वच्छता को प्राथमिकता बनाने के लिए अपने जिलों को एकजुट किया और विभिन्न स्थानों पर श्रमदान किया। सचिव ने श्री अभिताभ कान्त, सीईओ नीति आयोग के साथ उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले का दौरा किया और संसद सत्र में शौचालय दिवस मनाया। सचिव और सीईओ नीति आयोग ने शौचालय गड्ढा खाली करके इस दिवस का समापन किया।

पुरी, ओडिशा में जिला स्वच्छ भारत प्रेरक सम्मेलन

जेडएसबीपी सम्मेलन का आयोजन 23-24 नवंबर, 2018 को किया गया था जिसमें देश भर से 150 से अधिक जेडएसबीपी ने भाग लिया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में अनुभव साझा करने और लर्निंग के साथ-साथ समूह कार्य के रूप में थीम आधारित प्रस्तुतियां शामिल थीं। इस समूह कार्य में स्वच्छ भारत मिशन- व्यवहार परिवर्तन, शौचालय प्रौद्योगिकी, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, गोबर-धन, एमआईएस, स्थायित्व संबंधी प्रयोग, मल स्लज प्रबंधन, क्षमता निर्माण, ओडीएफ-एस तथा ओडीएफ प्लस कार्यनीति और स्वच्छाग्रही से संबंधित 10 क्षेत्रों पर कार्य किया गया। जेडएसबीपी इस ग्रुप कार्य में उत्साहपूर्वक शामिल हुए और अपने ज्ञान और क्षेत्र अनुभवों के आधार पर संभावित समाधान पेश किए। क्षेत्र से जुड़े होने की वजह से यह असली मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने में सक्षम रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण, विश्व विख्यात रेत चित्रकार, श्री सुदर्शन पटनायक के संरक्षण में रेत-कला प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम रहा। समापन सत्र में, समूह प्रस्तुतियां आयोजित की गईं और उत्कृष्ट समूह को पुरस्कृत किया गया।

<u>वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए स्वच्छ भारत मिशन की प्रगति की समीक्षा</u>

(i) स्वच्छाग्रही, प्रोत्साहन आदि पर क्लीसिंग डाटाबेस पर चर्चा करने के लिए सभी राज्यों/संघ-राज्य क्षेत्र के एससीएस/मुख्य सचिवों/ सचिवों और ग्रामीण स्वच्छता के मिशन निदेशक प्रभारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन 19 नवम्बर, 2018 को कॉन्फ्रेंस रूम, एमडीडब्ल्यूएस चौथा तल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, नई दिल्ली में किया गया।

(ii) एसबीएम (जी) के कार्यान्वयन में बिहार, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल के पिछड़े 50 जिलों के कार्य-निष्पादन की समीक्षा के लिए इन जिलों के डीएम/डीसी के साथ विडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन 29 नवम्बर, 2018 को कॉन्फ्रेंस रूम, एमडीडब्ल्यूएस, चौथा तल पं.दीनदयाल अंत्योदय भवन, नई दिल्ली में किया गया।